# प्रारंभिक परीक्षा

## उच्च न्यायालय में तदर्थ न्यायाधीश

### संदर्भ

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने कई उच्च न्यायालयों में लंबित आपराधिक मामलों की समस्या से निपटने के लिए तदर्थ आधार पर सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की नियुक्ति का सुझाव दिया है।

### तदर्थ न्यायाधीश(Ad Hoc Judge) नियुक्ति प्रक्रिया - अनुच्छेद - 224A

- **उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश राष्ट्रपति की सहमति से एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश से उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में कार्य करने का अनुरोध कर सकते हैं।**
- नियुक्त व्यक्तियों को सक्रिय न्यायाधीशों के समान ही अधिकार क्षेत्र, शक्तियां और विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं लेकिन उन्हें आधिकारिक तौर पर स्थायी न्यायाधीश नहीं माना जाता है।
- **नियुक्ति के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश और राष्ट्रपति दोनों की सहमति होनी चाहिए।**

### नियुक्ति की प्रक्रिया - 1998 के प्रक्रिया ज्ञापन (MOP) में परिभाषित:

- नियुक्ति के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश की सहमति के बाद प्रक्रिया शुरू होती है।
- मुख्य न्यायाधीश नाम और प्रस्तावित कार्यकाल को राज्य के मुख्यमंत्री (सीएम) के पास भेजते हैं।
- मुख्यमंत्री अपनी सिफारिश केन्द्रीय कानून मंत्री को भेजते हैं।
- केंद्रीय कानून मंत्री भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) से परामर्श करते हैं और सिफारिश प्रधानमंत्री को भेजते हैं।
- प्रधानमंत्री राष्ट्रपति को सलाह देते हैं कि नियुक्ति को मंजूरी दी जाए या नहीं।

**तथ्य -**

- **अनुच्छेद - 224A संविधान (15वां संशोधन) अधिनियम, 1963 द्वारा डाला गया था।**
- **15वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा किए गए अन्य महत्वपूर्ण संशोधन:**
  - **सेवानिवृत्ति आयु:** उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु **60 से बढ़ाकर 62 वर्ष कर दी गई।**
  - **रिट:** उच्च न्यायालय अपने क्षेत्राधिकार से बाहर के लोगों या प्राधिकारियों को रिट जारी कर सकते थे, यदि वाद का कारण उनके क्षेत्राधिकार में था। **(अनुच्छेद - 226 (2)।**

### 2021 सुप्रीम कोर्ट निर्णय: प्रमुख संशोधन:

- **लोक प्रहरी बनाम भारत संघ (2021) मामले** में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया:
  - **तदर्थ न्यायाधीशों की सिफारिशें सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम के माध्यम से जानी चाहिए (CJI + 2 वरिष्ठतम न्यायाधीश)।**
  - न्यायालय ने यह भी दिशा-निर्देश दिये कि नियुक्ति प्रक्रिया कब शुरू की जा सकती है।
- **तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति कब की जा सकती है?**
  - **रिक्ति मानदंड**: अनुच्छेद 224-A के तहत नियुक्तियां केवल तभी होनी चाहिए जब रिक्तियां उच्च न्यायालय की स्वीकृत क्षमता के **20% से अधिक हों (नियमित न्यायाधीश नियुक्तियों के लिए लंबित प्रस्तावों को छोड़कर)।**
  - **ट्रिगर प्वाइंट:** यदि लंबित मामलों में से **10%** से अधिक मामले **5 वर्ष से अधिक पुराने हैं**।
  - नियमित नियुक्ति के प्रयास किए जाने के बाद ही प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए।

- **कार्यकाल और संख्या**: तदर्थ न्यायाधीशों की **नियुक्ति आम तौर पर 2-3 साल के लिए की जानी चाहिए**। प्रत्येक उच्च न्यायालय में **दो से पांच तदर्थ न्यायाधीश नियुक्त किए जा सकते हैं।**
- **न्यायाधीशों का पैनल**: प्रत्येक मुख्य न्यायाधीश को संभावित तदर्थ नियुक्तियों के लिए सेवानिवृत्त या शीघ्र सेवानिवृत्त होने वाले न्यायाधीशों का एक पैनल बनाए रखना चाहिए।

**स्रोत:** **Indian Express - appointing retired High Court judges on 'ad hoc' basis**

# पश्चिमी अफ्रीका से फ्रांसीसी सेना की वापसी और इसके निहितार्थ

## संदर्भ

हाल ही में आइवरी कोस्ट के राष्ट्रपति ने घोषणा की कि फ्रांसीसी सैनिक महीने के अंत तक देश से वापस चले जायेंगे।

## फ्रांसीसी सेना की वापसी के कारण -

- **राष्ट्रीय संप्रभुता के साथ असंगति**: फ्रांस ने भूतपूर्व उपनिवेशों के साथ उनकी स्वतंत्रता के बाद औपनिवेशिक समझौते बनाए रखे हैं, जिन्हें "**फ्रैंकाफ्रीक**(**Françafrique**)" कहा जाता है।
  - इन समझौतों से फ्रांस को आर्थिक, राजनीतिक और सैन्य प्रभाव बनाए रखने की अनुमति मिली।
  - इन देशों के नेताओं का तर्क है कि फ्रांसीसी सैनिकों की उपस्थिति उनकी राष्ट्रीय संप्रभुता को कमजोर करती है।
- **जनता का असंतोष**
  - फ्रांसीसी सैनिक 2014 से साहेल क्षेत्र में **आईएसआईएस** और **अल-कायदा से जुड़े विद्रोही समूहों से लड़ रहे हैं।**
  - उनकी उपस्थिति के बावजूद, विद्रोह तीव्र हो गए हैं और फैल गए हैं, जिसके कारण व्यापक स्तर पर फ्रांस विरोधी भावनाएं पैदा हो रही हैं तथा जनता द्वारा सेना की वापसी की मांग की जा रही है।
- **नये साझेदारों की ओर झुकाव:** कई पश्चिम अफ्रीकी देश अपने विदेशी संबंधों में विविधता ला रहे हैं:
  - **माली, नाइजर और बुर्किना फासो:** विद्रोहियों से निपटने के लिए रूसी भाड़े के सैनिकों के साथ संबंधों को मजबूत किया।
  - रूसी भाड़े के सैनिकों को लाभप्रद माना जाता है, क्योंकि वे फ्रांस के विपरीत लोकतांत्रिक शर्तें नहीं थोपते।
  - **रूस ने अफ्रीका में एक अधिक प्रभावी सुरक्षा प्रदाता के रूप में अपनी छवि बनाई है।**

## अफ्रीकी देशों के लिए निहितार्थ -

- **फ्रांसीसी प्रभाव में गिरावट:** फ्रांसीसी सैनिकों की वापसी इस क्षेत्र में फ्रांस के दशकों पुराने प्रभुत्व के अंत का प्रतीक है।
  - हालांकि, **माली, नाइजर और बुर्किना फासो में, जहां रूसी भाड़े के सैनिकों ने फ्रांसीसी सैनिकों की जगह ले ली है, लेकिन वहां उग्रवाद और भी बदतर हो गया है। ये देश वैश्विक आतंकवाद सूचकांक 2024 में सबसे ऊंचे स्थान पर हैं।**

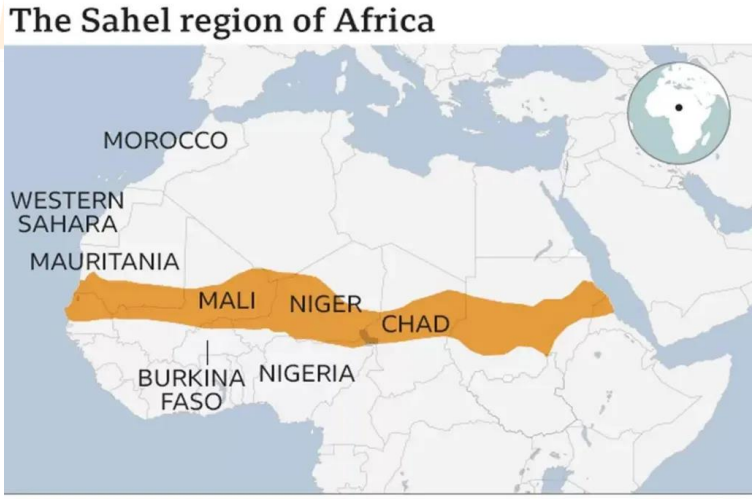


- **नये गठबंधनों का गठन**
  - **माली, नाइजर और बुर्किना फासो** ने अपनी सामूहिक सैन्य शक्ति को मजबूत करते हुए **साहेल राज्यों के गठबंधन का गठन** किया है।

- फ्रांसीसी विरोधी भावनाएं चाड, सेनेगल और आइवरी कोस्ट को गठबंधन में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित कर सकती हैं, जिससे आतंकवाद विरोधी प्रयासों में क्षेत्रीय सहयोग संभव हो सकेगा।

## फ्रांस के लिए निहितार्थ

- **"फ्रांसाफ्रिक" का अंत:** फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने आधिकारिक तौर पर "फ्रांसाफ्रिक" को समाप्त कर दिया है, तथा सैन्य प्रभुत्व के बजाय आर्थिक और कूटनीतिक जुड़ाव पर ध्यान केंद्रित किया है।
- **कम होता राजनीतिक प्रभाव:** फ्रांस का घटता राजनीतिक प्रभाव क्षेत्र में आर्थिक हितों की रक्षा करने की उसकी क्षमता को चुनौती देता है।
- **अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा में गिरावट:** फ्रांसीसी सैन्य उपस्थिति ने फ्रांस को आतंकवाद और मानवाधिकारों के वैश्विक रक्षक के रूप में पेश करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

**स्रोत:** **The Hindu - Is France's influence in West Africa over?**

# रोडामाइन – B

## संदर्भ

FSSAI द्वारा असुरक्षित के रूप में वर्गीकृत किए जाने के बावजूद, रोडामाइन-B का उपयोग स्थानीय खाद्य उद्योग में अवैध रूप से किया जाता है।

## रोडामाइन - B के बारे में -

- **रोडामाइन-B एक चमकदार गुलाबी सिंथेटिक रंग है जिसका उपयोग आमतौर पर कपड़ा, कागज और चमड़ा जैसे उद्योगों में किया जाता है।**
    - **वैज्ञानिक उपयोग**: इसके फ्लोरोसेंट गुण इसे वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए मूल्यवान बनाते हैं।
    - **भोजन में अवैध उपयोग**: स्वास्थ्य संबंधी जोखिम के बावजूद, अक्सर दृश्य आकर्षण बढ़ाने के लिए खाद्य उत्पादों में इसका दुरुपयोग किया जाता है।
- **खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत इसे घटिया एवं असुरक्षित माना गया है।**
    - **FSSAI** खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम**,** 2006 (**FSS** अधिनियम) के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है।
    - **नोडल मंत्रालय:** स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय।

## रोडामाइन-B के स्वास्थ्य जोखिम

- **कैंसरजन्य सम्भावना:** अध्ययनों से पता चला है कि रोडामाइन-B डीएनए को नुकसान पहुंचा सकता है, जिससे उत्परिवर्तन और कैंसरजन्य वृद्धि हो सकती है।
- **एलर्जी संबंधी प्रतिक्रियाएं और दीर्घकालिक प्रभाव:** दीर्घकालिक संपर्क से एलर्जी संबंधी प्रतिक्रियाएं, त्वचा के रंग में परिवर्तन और दीर्घकालिक त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

**यूपीएससी पीवाईक्यू**

**प्रश्न: पॉलीइथिलीन टेरेफ्थेलेट के संदर्भ में, जिसका उपयोग हमारे दैनिक जीवन में बहुत व्यापक है, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: (2022)**

1. इसके रेशों को ऊन और कपास के रेशों के साथ मिश्रित करके उनके गुणों को बढ़ाया जा सकता है।
2. इससे बने कंटेनरों का उपयोग किसी भी मादक पेय को संग्रहीत करने के लिए किया जा सकता है।
3. इससे बनी बोतलों को अन्य उत्पादों में पुनर्चक्रित किया जा सकता है।
4. इससे बनी वस्तुओं को ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पैदा किए बिना आसानी से जलाकर नष्ट किया जा सकता है।

उपर्युक्त में से कौन से कथन सही हैं?

(a) 1 और 3
(b) 2 और 4
(c) 1 और 4
(d) 2 और 3

**उत्तर:** (**a**)

**स्रोत:** **The Hindu - Rhodamine B**

# सुकन्या समृद्धि योजना

## संदर्भ

जनवरी 2025 में सुकन्या समृद्धि योजना के 10 साल पूरे हो रहे हैं। नवंबर 2024 तक 4.1 करोड़ से अधिक सुकन्या समृद्धि खाते खोले जा चुके हैं।

## सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) के बारे में -

- **सुकन्या समृद्धि योजना बालिकाओं के लिए एक छोटी जमा योजना है, इसे 2015 में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान के एक भाग के रूप में लॉन्च किया गया था।**
- **पात्रता:**
    - माता-पिता या कानूनी अभिभावक किसी बालिका (गोद ली गई बालिका सहित) की ओर से 10 वर्ष से कम आयु की अधिकतम 2 बेटियों के लिए जमा खाते खोल सकते हैं।
    - NRI ये खाते खोलने के पात्र नहीं हैं। (केवल भारतीय नागरिक)
- **न्यूनतम एवं अधिकतम जमा:**
    - **एक वित्तीय वर्ष में न्यूनतम 250 रुपये और अधिकतम 1.5 लाख रुपये** का निवेश।
    - किसी माह या किसी वित्तीय वर्ष में जमा की संख्या पर कोई सीमा नहीं है।
- **परिपक्वता:** SSY की परिपक्वता अवधि खाता खोलने से 21 वर्ष है।
    - **केवल पहले 15 वर्षों** के लिए ही अंशदान किया जाना चाहिए। उसके बाद, SSY खाते पर परिपक्वता तक ब्याज मिलता रहेगा।
- **ब्याज:** केंद्र सरकार द्वारा हर तिमाही में घोषित किया जाता है। यह वार्षिक रूप से संयोजित होता है।
- **आंशिक निकासी:**
    - खाताधारक की आयु 18 वर्ष हो जाने पर या 10वीं कक्षा उत्तीर्ण हो जाने पर, जो भी पहले हो, इसकी अनुमति दी जाती है।
    - उच्च शिक्षा के लिए पिछले वित्तीय वर्ष के अंत में शेष राशि का 50% निकाला जा सकता है।
    - वयस्क खाताधारकों की शादी के लिए 100% निकासी की अनुमति है।
- **कर लाभ:** निवेश की गई राशि, अर्जित ब्याज और परिपक्वता राशि कर मुक्त है। **(आयकर अधिनियम की धारा-80C के अंतर्गत)**

**स्रोत:** **PIB - A Decade of Transforming Lives**

# भारत के गहरे महासागर मिशन को मिली गति

## संदर्भ

भारत 2025 में अपना पहला मानव अंडरवाटर सबमर्सिबल, गहरे समुद्र में मानव संचालित वाहन लॉन्च करने के लिए तैयार है।

## गहरे समुद्र में खनन(Deep Sea Mining) के बारे में -

- **यह गहरे समुद्र तल - 200 मीटर से नीचे के महासागर से खनिज भंडार को प्राप्त करने की प्रक्रिया है।**
- गहरा समुद्र जैव विविधता से भरा हुआ है, दवाओं में उपयोग किए जाने वाले जीवित संसाधनों से समृद्ध है और जलवायु को विनियमित करने और मछली के लिए अंडे देने और भोजन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण है।
- समुद्री तल में खनन एक विशाल वैक्यूम के माध्यम से किया जाता है, जो समुद्र तल पर जाकर पिंडों को सोख लेता है, जिन्हें बाद में एक नली के साथ सतह पर लाया जाता है।
- **पॉलीमेटेलिक नोड्यूल समुद्र तल के कई हिस्सों में आंशिक रूप से डूबे हुए लोहे, मैंगनीज हाइड्रॉक्साइड और चट्टान के पिण्ड हैं।**

## डीप ओशन मिशन (DOM) के बारे में

- **यह पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) की एक पहल है जिसका उद्देश्य गहरे समुद्र में अन्वेषण के लिए प्रौद्योगिकियों और क्षमताओं का विकास करना है।**
- DOM प्रधानमंत्री के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद (PMSTIAC) के तहत 9 मिशनों में से एक है।
- **ज़रूरी भाग**:
    - **मानव संचालित पनडुब्बियों का विकास:** 6,000 मीटर तक की समुद्री गहराई का अन्वेषण करने के लिए मानव संचालित पनडुब्बियां।
    - **समुद्री संसाधनों की खोज:** हिंद महासागर में पॉलीमेटेलिक नोड्यूल्स, हाइड्रोथर्मल सल्फाइड्स और कोबाल्ट क्रस्ट्स पर ध्यान केंद्रित करना।
    - **प्रौद्योगिकी नवाचार:** उन्नत अंतर्जलीय रोबोटिक्स, सेंसर और ऊर्जा प्रणालियों का विकास।
    - **पानी के नीचे की ऊर्जा और जलवायु अनुसंधान:** महासागर तापीय ऊर्जा रूपांतरण **(OTEC) जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की क्षमता की पहचान करना**।

## मिशन समुद्रयान -

- **यह डीप ओशन मिशन का एक घटक है।**
- इसका **लक्ष्य 6,000 मीटर की गहराई पर मानव अन्वेषण करना है**, तथा खनिज निष्कर्षण और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र अध्ययन पर ध्यान केंद्रित करना है।
- **कार्यान्वयन प्राधिकरण:** राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान (NIOT)

**तथ्य** -

- संयुक्त राष्ट्र ने (2021-2030) को सतत विकास के लिए महासागर विज्ञान का संयुक्त राष्ट्र दशक घोषित किया है।

**स्रोत:** **PIB - Deep Ocean Mission**

# मीमकॉइन- $ट्रम्प

## संदर्भ

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दो **मीमकॉइन $ट्रम्प और $मेलानिया लॉन्च किए हैं**।

## मीमकॉइन क्या हैं?

- **मीमकॉइन एक क्रिप्टोकरेंसी है जिसका नाम पात्रों, व्यक्तियों, जानवरों, कलाकृति आदि के नाम पर रखा जाता है।**
- **यह इंटरनेट हास्य और क्रिप्टोकरेंसी का मिश्रण है, जो अक्सर बिना किसी आंतरिक मूल्य वाले मीम्स से प्रेरित होता है।**
- **निर्माण:** कोई भी व्यक्ति सोलाना या एथेरियम जैसे ब्लॉकचेन नेटवर्क पर Pump.fun जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग करके मुफ्त में मीमकॉइन बना सकता है (उदाहरण के लिए, $Trump को सोलाना पर होस्ट किया गया है)।
- **मूल्य**: पूर्णतः प्रचार, सार्वजनिक धारणा और ब्रांडिंग प्रयासों पर आधारित।
- 2024 में, 100 बिलियन डॉलर के संयुक्त बाजार मूल्य के साथ 13 मिलियन नए मीमकॉइन बनाए गए।

## मीमकॉइन के प्रसिद्ध उदाहरण

- **डोज़कॉइन(Dogecoin):** इसकी शुरुआत एक मजाक के रूप में हुई थी, लेकिन **एलन मस्क द्वारा** एक्स पर लगातार इसका प्रचार करने के बाद इसे प्रमुखता मिली।
- **शिबा इनु:** कुत्ते की एक नस्ल के नाम पर रखा गया यह नाम बहुत लोकप्रिय हुआ।
- **जेन जी क्वांट(Gen Z Quant):** एक 13 वर्षीय बच्चे द्वारा बनाया गया, जिसने वायरल होने के बाद 30,000 डॉलर कमाए।

## जोखिम और चिंताएँ

- **उच्च अस्थिरता:** मीमकॉइन पहले से ही सट्टा क्रिप्टो बाजार का सबसे जोखिम भरा खंड है।
- **धोखाधड़ी और घोटाले**:
  - **पंप-एंड-डंप योजनाएं**: 40% से अधिक **मीमकॉइन** घोटाले हैं, जहां निर्माता कृत्रिम रूप से कीमतों में वृद्धि करते हैं और फिर बेचते हैं, जिससे निवेशकों को पैसा गंवाना पड़ता है।
  - **रग पुल्स (Rug Pulls)**: क्रिएटर्स फंड्स निकाल लेते हैं, जिससे मीमकॉइन बेकार हो जाते हैं (उदाहरण के लिए, जेन जी क्वांट के पीछे 13 वर्षीय बच्चा)।
- टोकन होने के अलावा कोई उपयोग नहीं।
- विनियामक और नैतिक चिंताएँ।

**स्रोत:** [Indian Express - Donald launches $TRUMP]

# समाचार में स्थान

## माउंट इबू

- एक आधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक, माउंट इबू (स्ट्रैटो ज्वालामुखी) इस महीने कम से कम एक हजार बार फट चुका है।
- **स्ट्रैटो ज्वालामुखी**: यह एक बड़ा, खड़ी ढलान वाला ज्वालामुखी है जो कठोर लावा, राख और अन्य ज्वालामुखीय मलबे की परतों से बना है। वे अपनी खड़ी ढलानों, विस्फोटक विस्फोटों और उच्च चिपचिपाहट वाले मैग्मा के लिए जाने जाते हैं।

## तथ्य

- **इंडोनेशिया में विश्व में सर्वाधिक ज्वालामुखी हैं, जिनमें 120 सक्रिय ज्वालामुखी और 126 कुल ज्वालामुखी हैं, जिनमें छह पनडुब्बी ज्वालामुखी(submarine volcanoes) भी शामिल हैं।**
- इंडोनेशिया के अधिकांश ज्वालामुखी **सुंडा आर्क** पर स्थित हैं, जो 3,**000 किलोमीटर लंबी श्रृंखला** है।
- ये ज्वालामुखी एशियाई प्लेट के नीचे हिंद महासागर की सतह के धंसने से निर्मित हुए।

- **अवस्थिति: हल्माहेरा द्वीप, इंडोनेशिया** का उत्तर-पश्चिमी तट।
- **2023 में, माउंट इबू में कुल 21,100 विस्फोट दर्ज किए गए, जिससे यह इंडोनेशिया का दूसरा सबसे सक्रिय ज्वालामुखी बन गया।**
    - **माउंट मेरापी इंडोनेशिया का सबसे सक्रिय ज्वालामुखी है।**
- यह समुद्र तल से 1,377 मीटर ऊपर है और पूर्व-पश्चिम में 16 किमी तथा उत्तर-दक्षिण में 13 किमी तक फैला हुआ है।

**स्रोत:** **The Hindu - Mount Ibu erupted 1,000 times this month**

# समाचार संक्षेप में

## एक पेड़ के लिए आधार कार्ड

- **जम्मू और कश्मीर वन विभाग ने, जम्मू-कश्मीर वन अनुसंधान संस्थान के सहयोग से, कश्मीर के प्रतिष्ठित चिनार पेड़ों के लिए एक जीआईएस-आधारित, क्यूआर-सक्षम संरक्षण परियोजना शुरू की है।**
- **इस पहल का उद्देश्य चिनार के पेड़ों को शहरीकरण, वनों की कटाई और आवास क्षरण जैसे खतरों से बचाना है।**
- प्रत्येक पेड़ से जुड़े क्यूआर कोड उसके स्वास्थ्य, आयु और विकास पैटर्न के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हैं, जिससे शोधकर्ताओं और संरक्षणवादियों को समय के साथ परिवर्तनों को ट्रैक करने में मदद मिलती है।
- **चिनार जम्मू-कश्मीर का राज्य वृक्ष है।**
- चिनार एक बड़ा पर्णपाती पेड़ है, जो 30 मीटर तक ऊंचा होता है और पूरी ऊंचाई तक पहुंचने में लगभग 150 साल लगते हैं।
- **इसकी पत्तियाँ रंग बदलती हैं, अर्थात् गहरा हरा (ग्रीष्म), रक्त-लाल, अम्बर और पीला (शरद ऋतु)।**
- **चिनार पेड़ के गुण:** इसकी पत्तियों और छाल का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता है, टहनियों और जड़ों का उपयोग रंग बनाने के लिए किया जाता है और लकड़ी, जिसे लेसवुड के रूप में जाना जाता है, का उपयोग नाजुक आंतरिक फर्नीचर के लिए किया जाता है।

**स्रोत:** The Hindu - Aadhaar card for a tree

## आईएनएस सर्वेक्षक ने मॉरीशस में हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण पूरा किया

- **आईएनएस सर्वेक्षक ने मॉरीशस के हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण का अंतिम चरण पूरा कर लिया है, जिसमें 25,000 वर्ग समुद्री मील से अधिक का विस्तृत क्षेत्र शामिल है।**
- नए समुद्री चार्ट के निर्माण से मॉरीशस को अपनी समुद्री अवसंरचना, संसाधन प्रबंधन और तटीय विकास योजना विकसित करने में मदद मिलेगी।

**हाइड्रोग्राफी के बारे में -**

- **हाइड्रोग्राफी, महासागरों, समुद्रों, तटीय क्षेत्रों, झीलों और नदियों जैसे जल निकायों की भौतिक विशेषताओं को मापने और उनका वर्णन करने की वैज्ञानिक पद्धति है।**
- इसमें यह पूर्वानुमान लगाना शामिल है कि समय के साथ ये विशेषताएं किस प्रकार बदल सकती हैं, जिसका प्राथमिक लक्ष्य सुरक्षित नौवहन सुनिश्चित करना तथा अन्य समुद्री गतिविधियों को समर्थन प्रदान करना है।

**स्रोत:** PIB - INS Sarvekshak

## PFAS - फॉरएवर केमिकल्स

- **यूरोपीय आयोग आवश्यक औद्योगिक उपयोगों के लिए छूट के साथ उपभोक्ता उत्पादों में PFAS पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रहा है।**

- **PFAS(पर्फ्लुओरोएल्काइल और पॉलीफ्लुओरोएल्काइल पदार्थ) सिंथेटिक रसायन हैं जिनका उपयोग विभिन्न उद्योगों में अत्यधिक तापमान, पानी, तेल और संक्षारण के प्रति प्रतिरोध के कारण किया जाता है।**
- वे हैं **इन्हें "फॉरएवर केमिकल्स" के नाम से जाना जाता है**, क्योंकि **ये पर्यावरण में विघटित नहीं होते, जिसके कारण ये पारिस्थितिकी तंत्र, पेयजल और मानव शरीर में जमा हो जाते हैं।**
- **अनुप्रयोग**: उपभोक्ता उत्पादों जैसे नॉन-स्टिक कुकवेयर, सौंदर्य प्रसाधन, जलरोधी कपड़े, खाद्य पैकेजिंग, विमान, पवन टर्बाइन और अर्धचालक में पाया जाता है।
- **स्वास्थ्य जोखिम**: अधिक संपर्क से लीवर क्षति, जन्म के समय कम वजन और वृषण कैंसर हो सकता है।

**स्रोत:** **The Hindu - EU plans ban on 'forever chemicals' in consumer products**

# संपादकीय सारांश

## EndTB के लिए भारत की कठिन राह

### संदर्भ

वर्ष 2024 में क्षय रोग(टीबी) विश्व स्तर पर प्रमुख संक्रामक रोग हत्यारा बनकर उभरा।

### क्षय रोग(टीबी) के बारे में -

- **यह एक जीवाणु संक्रमण(bacterial infection) है जो संक्रमित व्यक्ति की खांसी या छींक से निकलने वाली छोटी बूंदों के माध्यम से फैलता है।**
    - **टीबी माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक जीवाणु के कारण होता है,** जो माइकोबैक्टीरियासी परिवार से संबंधित है।
- **संचरण:** टीबी हवा के माध्यम से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है।
- **परीक्षण:** ट्रूनेट एमटीबी टेस्ट, सीबीएनएएटी टेस्ट आदि।
- **प्रकार:**
    - **फुफ्फुसीय टीबी**: फेफड़ों को प्रभावित करती है
    - **एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी:** अन्य अंगों को प्रभावित करती है।
- टीबी एक उपचार योग्य रोग है।
- **उपचार:**
    - **टीका:** वर्तमान में, बैसिल कैलमेट-ग्यूरिन (बीसीजी) टीबी की रोकथाम के लिए उपलब्ध एकमात्र लाइसेंस प्राप्त टीका है।
    - **प्रमुख दवाएं (4):** आइसोनियाज़िड (आईएनएच), रिफैम्पिसिन, पायराज़िनामाइड और एथमब्यूटोल।

## एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी (EPTB) के बारे में -

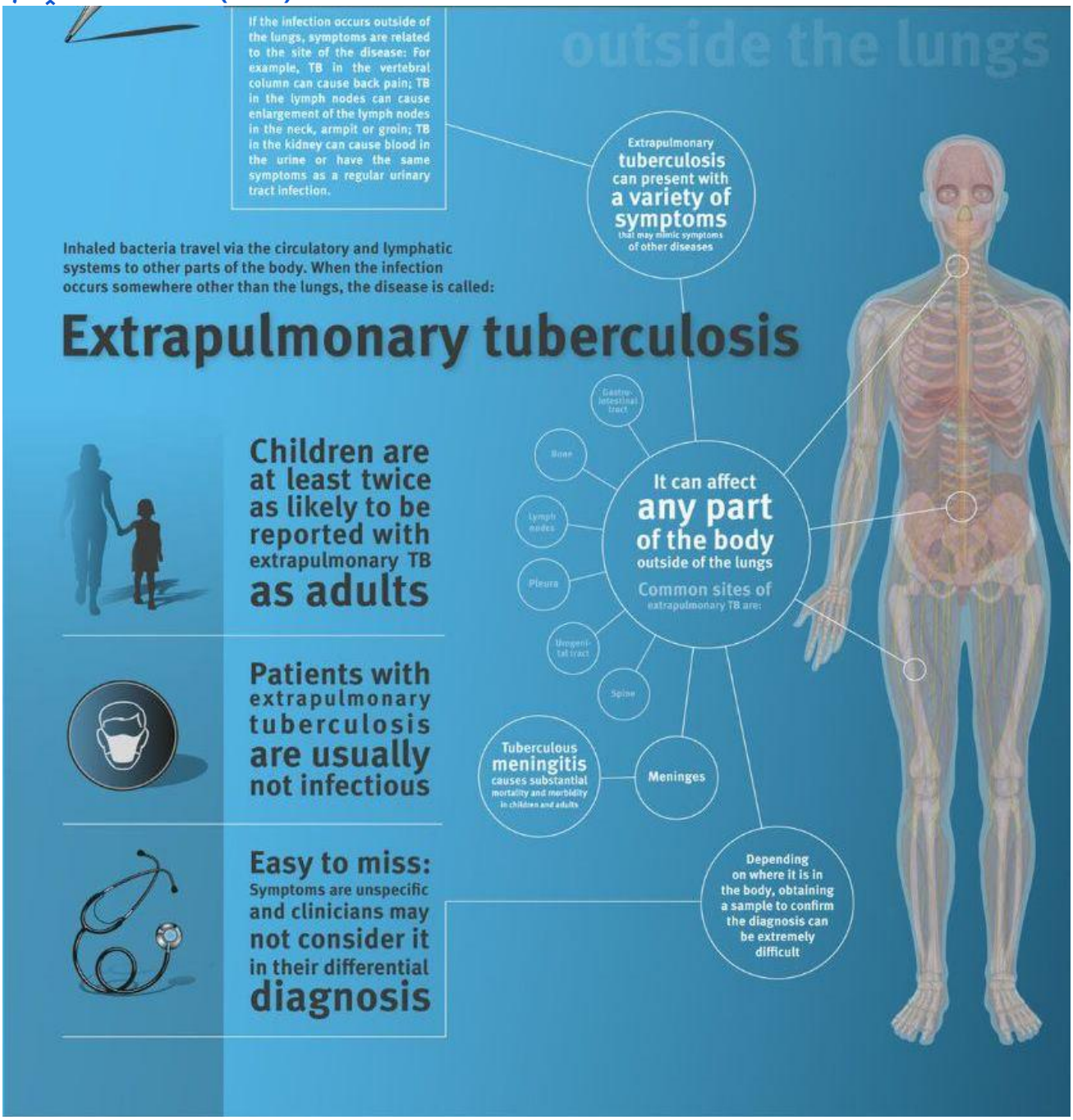

### दवा प्रतिरोधी टीबी के प्रकार

- **दवा प्रतिरोधी टीबी (DR-TB):** टीबी बैक्टीरिया के कारण होती है जो उपचार में इस्तेमाल की जाने वाली **कम से कम एक टीबी दवा (आइसोनियाज़िड या रिफाम्पिन) के प्रति प्रतिरोधी होता हैं।**
- **बहुऔषधि प्रतिरोधी टीबी:** यह रोग ऐसे बैक्टीरिया के कारण होता है जो कम से कम दो प्रथम-पंक्ति टीबी दवाओं के प्रति प्रतिरोधी होते हैं: (आइसोनियाज़िड और रिफाम्पिसिन)
- **व्यापक रूप से दवा प्रतिरोधी टीबी(XDR-TB):** जो लोग **आइसोनियाज़िड** और **रिफाम्पिसिन के** साथ-साथ किसी भी फ्लोरोक्विनोलोन और कम से कम तीन इंजेक्शन योग्य द्वितीय-पंक्ति दवाओं (अमीकासिन, कैनामाइसिन, कैप्रियोमाइसिन) के प्रति प्रतिरोधी होते हैं, उन्हें **XDR-TB** कहा जाता है।

### तथ्य

- **विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक क्षय रोग रिपोर्ट 2024 के अनुसार, भारत वैश्विक टीबी बोझ (26% मामलों) में अग्रणी बना हुआ है और यह दवा प्रतिरोधी टीबी (डीआर-टीबी) और टीबी से होने वाली मौतों का केंद्र भी है।**
- **विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा निर्धारित टीबी उन्मूलन लक्ष्य थे:**
    - टीबी से होने वाली मौतों में 90% की कमी,
    - नये मामलों में 80% की कमी, तथा
    - 2030 तक टीबी से प्रभावित परिवारों को विनाशकारी लागत का सामना नहीं करना पड़ेगा।
- EPTB का बोझ बहुत अधिक है, एचआईवी-नकारात्मक रोगियों में टीबी के सभी मामलों में यह 15-20% तक होता है, जबकि एचआईवी-पॉजिटिव लोगों में यह नए टीबी मामलों का 40-50% होता है।

## टीबी को बढ़ावा देने वाली परिस्थितियाँ

- **कुपोषण और गरीबी**: कुपोषण से प्रतिरक्षा कमजोर होती है, जिससे टीबी के प्रति संवेदनशीलता बढ़ जाती है, विशेष रूप से निम्न आय वर्ग के लोगों में।
- **व्यावसायिक खतरे**: महीन धूल के संपर्क में आने वाले कर्मचारियों , जैसे खनिकों और पत्थर तराशने वालों को फेफड़ों की क्षति (जैसे, सिलिकोसिस) के कारण टीबी का अधिक खतरा रहता है।
- **भीड़भाड़ और खराब जीवन स्थितियां**: खराब वेंटिलेशन वाली शहरी झुग्गियां और जेलें टीबी संक्रमण को बढ़ावा देती हैं।
- **सह-रुग्णताएं**: मधुमेह, एचआईवी/एड्स और धूम्रपान से संवेदनशीलता बढ़ जाती है।
- **प्रवासी श्रमिक**: निरंतर स्वास्थ्य सेवा तक सीमित पहुंच से उपचार बाधित होता है।
- **विलंबित निदान**: एक्स्ट्रापल्मनरी टीबी के अस्पष्ट लक्षण देर से या गलत निदान का कारण बनते हैं।

## राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (NTEP) के कार्यान्वयन में चुनौतियाँ

- **दवा की कमी**: आपूर्ति श्रृंखला में बार-बार व्यवधान के कारण उपचार बाधित होता है और एंटीबायोटिक प्रतिरोध का खतरा पैदा होता है।
- **अपर्याप्त बुनियादी ढांचा**: सीबीएनएएटी और ट्रूनेट मशीनें कई क्षेत्रों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध नहीं हैं।
- **प्रशिक्षित मानव संसाधनों की कमी**: कर्मचारियों की कमी, भारी कार्यभार और अपर्याप्त प्रशिक्षण समय पर निदान और देखभाल में बाधा डालते हैं।
- **फुफ्फुसीय टीबी पर ध्यान केंद्रित करना**: जागरूकता और जांच की कमी के कारण एक्स्ट्रापल्मोनरी टीबी का निदान कम हो पाता है।
- **निजी क्षेत्र की गैर-भागीदारी**: मामलों को अधिसूचित करने में निजी चिकित्सकों की अनिच्छा से डेटा की सटीकता और रोग नियंत्रण में बाधा उत्पन्न होती है।

- **सीमित बहुक्षेत्रीय समन्वय**: कुपोषण और आवास जैसे अंतर्निहित मुद्दों को संबोधित करने के लिए अंतर-क्षेत्रीय सहयोग की आवश्यकता होती है।

## आगे की राह

- **आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना**: टीबी दवाओं और परीक्षण कारतूसों की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना।
- **निदान का विकेन्द्रीकरण**: प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल स्तर तक सीबीएनएएटी/ट्रूनेट की पहुंच का विस्तार करें और प्रशिक्षित कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करें।
- **क्षमता निर्माण**: सामान्य चिकित्सकों और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को फुफ्फुसीय और बाह्य फुफ्फुसीय टीबी की पहचान करने और उसका उपचार करने के लिए प्रशिक्षित करना।
- **सामुदायिक भागीदारी**: जागरूकता और भागीदारी बढ़ाने के लिए इडुक्की की कुडुम्बश्री पहल जैसे सफल मॉडलों को दोहराना।
- **सक्रिय मामले का पता लगाना**: वियतनाम की सक्रिय टीबी पहचान रणनीतियों से सीखते हुए, उच्च जोखिम वाले समूहों को लक्षित करना।
- **राजनीतिक वकालत और वित्तपोषण**: संसाधन आवंटन और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से पारस्परिक सीख के लिए उच्च स्तरीय राजनीतिक प्रतिबद्धता सुनिश्चित करना।

**स्रोत:** **The Hindu: India's winding road to '#EndTB'**

# H-1B वीज़ा: तर्क

## संदर्भ

व्हाइट हाउस में एक समाचार सम्मेलन के दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने H-1B वीज़ा कार्यक्रम के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया।

## कार्यक्रम के विरुद्ध तर्क क्या हैं?

- **अमेरिकी कर्मचारियों का विस्थापन**: H-1B वीजा का उपयोग अक्सर अमेरिकी कर्मचारियों को सस्ते श्रम से प्रतिस्थापित करने के लिए किया जाता है, जो "STEM संकट" के दावों का खंडन करता है।
    - अमेरिकी कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर छंटनी तथा H-1B कर्मचारियों को बनाए रखने या नौकरी पर रखने के उदाहरण व्यापक रूप से रिपोर्ट किए गए हैं।
- **प्रणालीगत खामियां**: निगम कार्यक्रम की खामियों का फायदा उठाते हैं, जैसे कि प्रचलित वेतन नियमों में ढिलाई और सख्त कौशल सत्यापन का अभाव, जिससे निम्न-कौशल या प्रवेश-स्तर के पदों के लिए वीज़ा का दुरुपयोग हो जाता है।
    - यह कानून बड़ी कम्पनियों को लाभ पहुंचाता है, जिससे वे कानूनी रूप से अपने कर्मचारियों को कम वेतन दे पाती हैं और जवाबदेही से बच जाती हैं।
- **"सर्वश्रेष्ठ और प्रतिभाशाली" का मिथक**: बायोडाटा में हेराफेरी करने और प्रॉक्सी साक्षात्कार आयोजित करने की व्यापक प्रथा इस दावे को कमजोर करती है कि H-1B श्रमिक सबसे कुशल या प्रतिभाशाली हैं।
    - कई H-1B कर्मचारियों के पास अपनी भूमिका के लिए आवश्यक विशेषज्ञता का अभाव है, जिससे कार्यक्रम की योग्यता-आधारित अवधारणा पर प्रश्नचिह्न लग रहा है।

## कार्यक्रम के पक्ष में तर्क क्या हैं?

- **उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में कौशल की कमी को दूर करना**: H-1B कार्यक्रम अमेरिका जैसे देशों को प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और वित्त जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में उच्च कुशल विदेशी कर्मचारियों को आकर्षित करने की अनुमति देता है, जिससे कौशल अंतराल को दूर किया जा सकता है जिसे घरेलू स्तर पर पूरा नहीं किया जा सकता है।
- **नवाचार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना**: उच्च कुशल आप्रवासी पेटेंट, अनुसंधान और विकास सहित नवाचार में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।
    - कई H-1B कर्मचारी मेजबान देशों में तकनीकी प्रगति को आगे बढ़ाने और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने में सहायक रहे हैं।
- **भेजने वाले देशों और मेजबान देशों के लिए पारस्परिक लाभ**: भेजने वाले देशों (जैसे, भारत) के लिए, यह कार्यक्रम "मस्तिष्क लाभ" की ओर ले जाता है, जब श्रमिक उन्नत कौशल और विशेषज्ञता के साथ लौटते हैं।
    - मेजबान देशों के लिए, H-1B श्रमिक बहुमूल्य कौशल और ज्ञान लेकर आते हैं, जिससे उत्पादकता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ती है।
- **आईटी और एसटीईएम क्षेत्र के लिए समर्थन**: H-1B कर्मचारियों द्वारा समर्थित अमेरिकी आईटी उछाल के कारण वैश्विक स्तर पर एसटीईएम शिक्षा और कौशल विकास में वृद्धि हुई।
    - उदाहरण के लिए, कई भारतीय छात्र H-1B पेशेवरों की मांग के कारण कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग कौशल हासिल करने के लिए प्रेरित हुए।

**स्रोत:** Indian Express: Agree/Disagree

# विस्तृत कवरेज

## भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था

### संदर्भ

इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकोनॉमिक रिलेशंस (ICRIER) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था समग्र अर्थव्यवस्था की दोगुनी गति से बढ़ने और 2024-25 तक राष्ट्रीय आय का 13.42% होने का अनुमान है, जबकि 2022-23 में यह 11.74% थी।

### डिजिटल अर्थव्यवस्था से क्या अभिप्राय है?

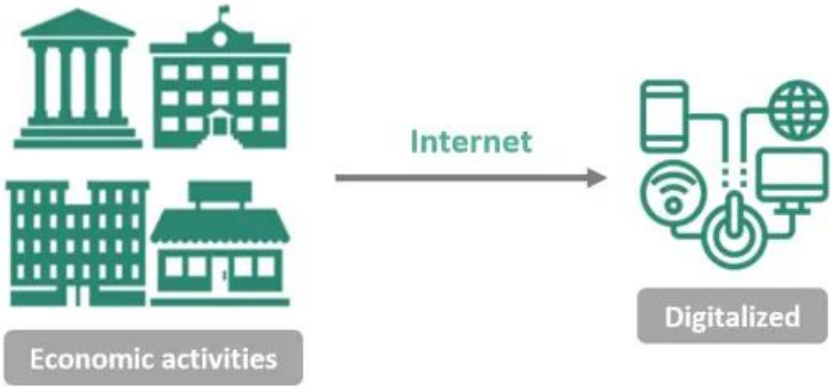


- **डिजिटल अर्थव्यवस्था से तात्पर्य उन आर्थिक गतिविधियों से है जो डिजिटल प्रौद्योगिकियों (इंटरनेट और मोबाइल प्रौद्योगिकियों) द्वारा संचालित होती हैं।**
- **ज़रूरी भाग**:
    - **ई-बिजनेस अवसंरचना**: इसमें हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, दूरसंचार और नेटवर्क शामिल हैं जो ऑनलाइन व्यापार संचालन को सुविधाजनक बनाते हैं।
    - **ई-कॉमर्स:** इंटरनेट पर वस्तुओं और सेवाओं की खरीद और बिक्री।
    - **डेटा उपयोग**: उपभोक्ता व्यवहार की जानकारी प्राप्त करने और निर्णय लेने की प्रक्रिया में सुधार करने के लिए बड़े डेटा का लाभ उठाना।

### डिजिटल अर्थव्यवस्था की विशेषताएँ

- **24/7 उपलब्धता:** डिजिटल अर्थव्यवस्था बिना समय की बाधा के निरंतर संचालित होती है, जिससे व्यवसाय किसी भी समय, कहीं भी ग्राहकों को सेवा प्रदान करने में सक्षम होते हैं।
- **डेटा-केंद्रित:** डेटा डिजिटल अर्थव्यवस्था का एक मुख्य तत्व है, जिसका उपयोग व्यवसायों द्वारा सूचित निर्णय लेने, विशिष्ट दर्शकों को लक्षित करने और नवीन उत्पादों और सेवाओं को विकसित करने के लिए किया जाता है।
- **इंटरनेट-चालित:** डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव इंटरनेट है, जो व्यवसायों को नए बाजारों में विस्तार करने और वैश्विक स्तर पर ग्राहकों से जुड़ने की अनुमति देता है।
- **तीव्र गति:** डिजिटल अर्थव्यवस्था गति पर निर्भर करती है, जिसमें व्यवसाय ग्राहक अनुभव को बढ़ाने और परिचालन को सुव्यवस्थित करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों और नवाचारों को अपनाते हैं।
- **वैश्विक पहुँच:** भौगोलिक सीमाएँ डिजिटल अर्थव्यवस्था को सीमित नहीं करती हैं। यह व्यवसायों को दुनिया भर के ग्राहकों से जुड़ने और उनकी पहुँच बढ़ाने में सक्षम बनाता है।

- **तीव्र प्रतिस्पर्धा:** डिजिटल अर्थव्यवस्था अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल को बढ़ावा देती है, ग्राहकों को विकल्पों की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती है, तथा व्यवसायों को अद्वितीय और आकर्षक पेशकश के साथ आगे आने के लिए बाध्य करती है।

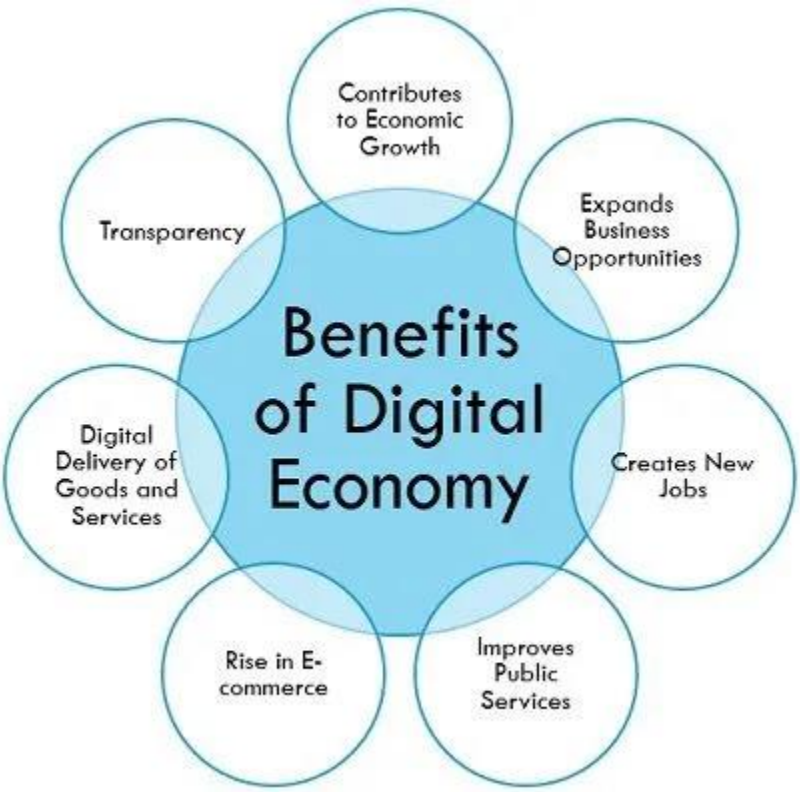


## इससे जुड़ी चुनौतियाँ क्या हैं?

- **विनियामक वातावरण:** विनियमों और नीतियों में लगातार परिवर्तन अनिश्चितता पैदा कर सकते हैं, जिससे डिजिटल क्षेत्र में काम करने वाली घरेलू और विदेशी दोनों कंपनियां प्रभावित हो सकती हैं।
    - **उदाहरण के लिए**, अगस्त 2023 में लागू डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम का उद्देश्य व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा करना है, लेकिन यह व्यवसायों के लिए नई अनुपालन आवश्यकताओं को भी प्रस्तुत करता है।
- **बुनियादी ढांचे का विकास:** धीमी और विलंबित बुनियादी ढांचे का विकास, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जैसे कि अविश्वसनीय बिजली आपूर्ति और कम आबादी वाले क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड नेटवर्क स्थापित करने की उच्च लागत**,** देश भर में डिजिटल सेवाओं के विस्तार में बड़ी बाधाएं उत्पन्न करती हैं।
- **प्रतिस्पर्धा और बाजार विखंडन:** भारत का डिजिटल बाजार अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और विखंडित है, जिसमें कई नवीन स्टार्टअप बाजार हिस्सेदारी के लिए होड़ कर रहे हैं।
    - इसके अतिरिक्त, कुछ क्षेत्रों में बड़ी कंपनियों का प्रभुत्व प्रतिस्पर्धा को बाधित कर सकता है तथा छोटे उद्यमों के लिए अवसर सीमित कर सकता है।
        - **उदाहरण के लिए**, फोनपे और गूगल यूपीआई बाजार के 85% से अधिक पर नियंत्रण रखते हैं।
- **डिजिटल डिवाइड**: शहरी क्षेत्रों को उन्नत डिजिटल बुनियादी ढांचे का लाभ मिलता है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर विश्वसनीय इंटरनेट पहुंच और डिजिटल साक्षरता का अभाव होता है।

  - **उदाहरण के लिए,** राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, केवल 24% ग्रामीण भारतीय परिवारों के पास इंटरनेट तक पहुंच है, जबकि शहरों में यह पहुंच 66% है।
- **साइबर सुरक्षा खतरे:** डिजिटल लेनदेन और ऑनलाइन सेवाओं में वृद्धि ने हैकिंग, डेटा उल्लंघन और पहचान की चोरी सहित साइबर खतरों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ा दी है।
  - **उदाहरण के लिए,** साइबर हमलों के मामले में भारत विश्व स्तर पर 5वें स्थान पर है, जहां अकेले 2023 में 500 मिलियन से अधिक डेटा उल्लंघन की घटनाएं दर्ज की जाएंगी।

## भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की रणनीतियाँ

- **डिजिटल विभाजन को पाटना:** ग्रामीण कनेक्टिविटी को बढ़ाने और डिजिटल साक्षरता में सुधार करने के लिए भारतनेट जैसी पहलों का विस्तार करना, जिससे समावेशी विकास को बढ़ावा मिले।
  - डिजिटल कौशल को शिक्षा में एकीकृत करें, जैसा कि कस्तूरीरंगन समिति ने जोर दिया है, ताकि डिजिटल भविष्य के लिए कार्यबल तैयार किया जा सके।
  - **उदाहरण**: खेतड़ी डिजिटल गांव पंचायत, जो ग्रामीण नागरिकों को मुफ्त वाईफाई सुविधा, ई-कॉमर्स प्रशिक्षण और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम प्रदान करती है।
- **साइबर सुरक्षा को मजबूत करना:** साइबर बुनियादी ढांचे में सुधार और बढ़ते खतरों का मुकाबला करने के लिए राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति 2020 की सिफारिशों को लागू करना।
- **डिजिटल बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देना:** 5G नेटवर्क और आधुनिक डेटा केंद्रों सहित महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) को बढ़ावा देना।
  - विस्तारित अर्थव्यवस्था को समर्थन देने के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे का सतत विकास सुनिश्चित करना।

**स्रोत:** **The Hindu: Digital Economy to Constitute fifth of India's Economy by 2030: ICRIER Report**